(ग) **परिमाणवाचक क्रियाविशेषण-** जो क्रिया विशेषण शब्द क्रिया के परिमाण (माप-तौल) का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे-

मुझे बहुत नींद आ रही है। परीक्षा में सफलता के लिए तुम्हें अधिक परिश्रम करना चाहिए।

प्रायः कम, अधिक, थोड़ा, जितना, उतना, तनिक, जरा, अति, बहुत, अत्यंत, कुछ, पर्याप्त, बूँद-बूँद, अल्प, केवल, लगभग आदि शब्द परिमाणवाचक क्रियाविशेषण हैं।

(घ) **रीतिवाचक क्रियाविशेषण-** जो क्रिया-विशेषण शब्द कार्य होने या कार्य करने की रीति का बोध कराते हैं, वे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे-

पिता जी धीरे-धीरे चलते हैं। झटपट तैयार हो जाओ।

एकाएक, ध्यानपूर्वक, अचानक, धड़ाधड़, झटपट, मन से, सहसा, सचमुच, अवश्य, कदाचित्, कैसे, क्यों, सहसा, भी, मात्र आदि शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण हैं।

परिमाणवाचक विशेषण और परिमाणवाचक क्रियाविशेषण में अंतर

परिमाणवाचक विशेषण से किसी वस्तु की माप–तौल का पता चलता है जबकि परिमाणवाचक क्रियाविशेषण से क्रिया के परिमाण का बोध होता है; जैसे–

परिमाणवाचक विशेषण	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
1. वार्षिक समारोह में काफ़ी लोग आए थे।	1. हम काफ़ी थक चुके, अब हमें विश्राम करना चाहिए
2. मेरे पास पर्याप्त सामान है।	2. आज शिवम ने पर्याप्त पढ़ाई की है।

OPPO F15 · © Shot By Sandeep Roy
2020/11/22 22:31